हिंदी विभाग

प्रतिवर्ष की तरह इस शैक्षणिक वर्ष में हिंदी विभाग ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया । १५ सितम्बर २०१४ को हिंदी दिवस के अवसरपर पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि डॉ. सुधाकर मिश्र जी को आमंत्रित किया गया जिसमें उन्होंने कविता पाठ करते हुए छात्रों को मंत्रमुग्ध किया ।

हिंदी विभाग का दूसरा और महत्वपूर्ण कार्यक्रम दिनांक १६ दिसंबर २०१४ को जापान के डॉ. तोमिओ मिजोकामिजी के विशेष व्याख्यान से किया गया । उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण में दूसरे विश्व युद्ध के समय जापान के सैनिकों द्वारा कार्टून पर्चियां विमान से बिखराकर दुश्मन के सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में हिंदीके साथ अन्य भारतीय भाषाओं के प्रयोगपर बल दिया । डॉमिजोकामिजी ने शुद्ध हिंदी में अपनी बात रखकर सभी को आश्चर्य चकित किया, वे लगभग एक घंटे तक बोले। संस्था के अध्यक्ष डॉ. विजय बेडेकर साहब जी ने यह अवसर हमें प्रदान किया ।

हिंदी का तीसरा और महत्वपूर्ण कार्यक्रम दि. २८/०१/२०१५ बुधवार को हिंदुस्तानी प्रचार सभा द्वाराभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । विषय था हम जाति धर्म से परे हटकर भारतीय होने का गौरव महसूस करें इस प्रतियोगिता में लगभग पचास छात्रों ने भाग लिया । निर्णायकगण के रूप में डॉ. वसुधा सहस्रबुद्धे एवं डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय के साथ डॉ. ऋषिकेश मिश्र उपस्थित थे । इस प्रतियोगिता में तीन छात्रों को चुना जाता हैं जिनको पुरस्कार के रूप में क्रमशा प्रथम पुरस्कार राशि ३०००, द्वितीय पुरस्कार राशि २००० तृतीय पुरस्कार राशि १००० प्रदान की जाती है साथ ही दो-दो किताबें भी भेंट स्वरुप दी जाती है । इसप्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार नम्रता दुबे एफ वाय बी एम् एम्, द्वितीय पुरस्कार नेहा शर्मा एफ वाय बी ए तथा तृतीय पुरस्कार अमरिन खान एस वाय बी ए को मिला ।

शनिवार दि.३१ जनवरी,२०१५ के दिन विभाग द्वारा शैक्षणिक यात्रा का आयोजन नासिक के पांडव लेणी एवं दादासाहब फालके प्रतिष्ठान के लिए ले गयी । जिसमें विद्यार्थियों को इतिहास के साथ हिंदी सिनेमाके इतिहास को जानने का अवसर मिला । इस यात्रा में प्रथम वर्ष से लेकर स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

हिंदी में रोजगार के अवसर इस विषय पर सुश्री पूनम सिंह का व्याख्यान आयोजित किया गया। वर्तमान में वें मेरी सहेली ग्रुप की पत्रिका होममेकर कीउपसंपादक पद पर कार्यरत हैं । उन्होंनेअपने व्याख्यान में साक्षात्कार और फीचर लेखन इ. रोजगार से जुडी कार्यकुशलता पर बल दिया । यह कार्यक्रम शनिवार दि. ७ फरवरी,२०१५ को सम्पन्न हुआ ।

शनिवार दि. २१ फरवरी,२०१५ को ऑल इंडिया रेडिओ के कार्यक्रम अधीक्षक श्रीलवलेश कुमार परमार जी कोअतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया । जिसमें उन्होंने रेडिओ के महत्त्व को समझाते हुए छात्रों के व्यक्तित्व विकासके लिए आवश्यक गुण भी बताये ।

शनिवार दि. १४ मार्च, २०१५ बी. ए. तृतीय वर्ष एवं एम्.ए. द्वितीय वर्षके विद्यार्थियों का बिदाई समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर अतिथि व्याख्याताओं ने छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

उपयुक्त सभी कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. सौ. शकुन्तला सिंह जी की अध्यक्षता में संपन्न हुए और इन सभी कार्यक्रमों का सूत्रसंचालन डॉ. जयश्री सिंह ने किया ।

विभाग की प्राध्यापिका डॉ. जयश्री सिंह द्वारा की गयी गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ निम्नलिखित है :-

१) डॉ. जयश्री सिंह ने इस अकादमिक वर्ष में १५ जुलाई से ४ अगस्त २०१४ तक की समयावधि में यू. जी. सी. अकादमिक स्टाफ़ कॉलेज, काशी के बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) से 'अ' श्रेणी प्राप्त करते हुए अपना दूसरा पुनश्चर्या कार्यक्रम पूर्ण किया ।

२) जुलाई माह में उषा प्रियंवदा की कहानियों में स्त्री - पुरुष संबंधों के बदलते सन्दर्भ इस विषय पर ज्ञान प्रकाशन, कानपुर से प्रकाशित पुस्तक 'समकालीन हिन्दी कहानी सरोकार और विमर्श' (प्रथम, २०१४ ; ISBN- 978-93-80669-47-2) में उनका शोध प्रपत्र प्रकाशित हुआ ।

३) सितम्बर माह में हिन्दी पत्रकारिता : प्रारंभ और संघर्ष इस विषय पर रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय से प्रकाशित पुस्तक 'आर. जे. प्रज्ञा' (प्रथम, २०१४ ; ISBN- 978-81-925489-5-1) में भी उनका शोध प्रपत्र प्रकाशित हुआ ।

४) अक्टूबर माह में अतुल प्रकाशन, कानपुर से प्रकाशित पुस्तक 'राम विलास शर्मा की साहित्य साधना' (प्रथम,२०१४; ISBN- 978-93-80760-33-9) में भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास : एक अध्ययन इस विषय पर उनका शोध प्रपत्र प्रकाशित हुआ।

५) ९, १० जनवरी, २०१५ को जोशी - बेडेकर महाविद्यालय के "Women DevelopmentCell" द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विज्ञापन की दुनिया में अपनी ज़मीन की तलाश में स्त्री का संघर्ष (चित्रा मुद्गल कृत 'एक ज़मीन अपनी' उपन्यास के विशेष सन्दर्भ में) इस विषय परउन्होंने अपना शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया तथा उनका यह प्रपत्र संगोष्ठी की संचयिता "Women's Quest For Equality" (ISBN- 978-81-922741-4-8) में प्रकाशित भी हुआ।

६) १२, १३ दिसंबर, २०१४ को कांदिवली के श्रॉफ महाविद्यालयद्वारा आयोजित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागी हो कर मंच का सञ्चालन किया।

१७ दिसंबर २०१४ को हिन्दुस्तानी प्रचार सभा द्वारामुंबई के महाराष्ट्र महाविद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में उन्हें निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. अनिल ढवळे
विभागाध्यक्ष